स्टोर कीपर

योग्यता पैक
रेफ. आई.डी. : ए.एम.एच./क्यू0501

क्षेत्र
अपैरल्स, मेडअप्स और होम फर्नीशिंग

कक्षा
11वीं एवं 12वीं

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)
www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉबलरोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिखा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग (एएमएचएफ) सेक्टर के बारे

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह विभिन्न तैयार उत्पादों का कच्चे माल से उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, पैटर्न, कटिंग, सिलाई, परिधान, मेड–अप और होम फर्निशिंग आइटम की फिनिशिंग और सजावट से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

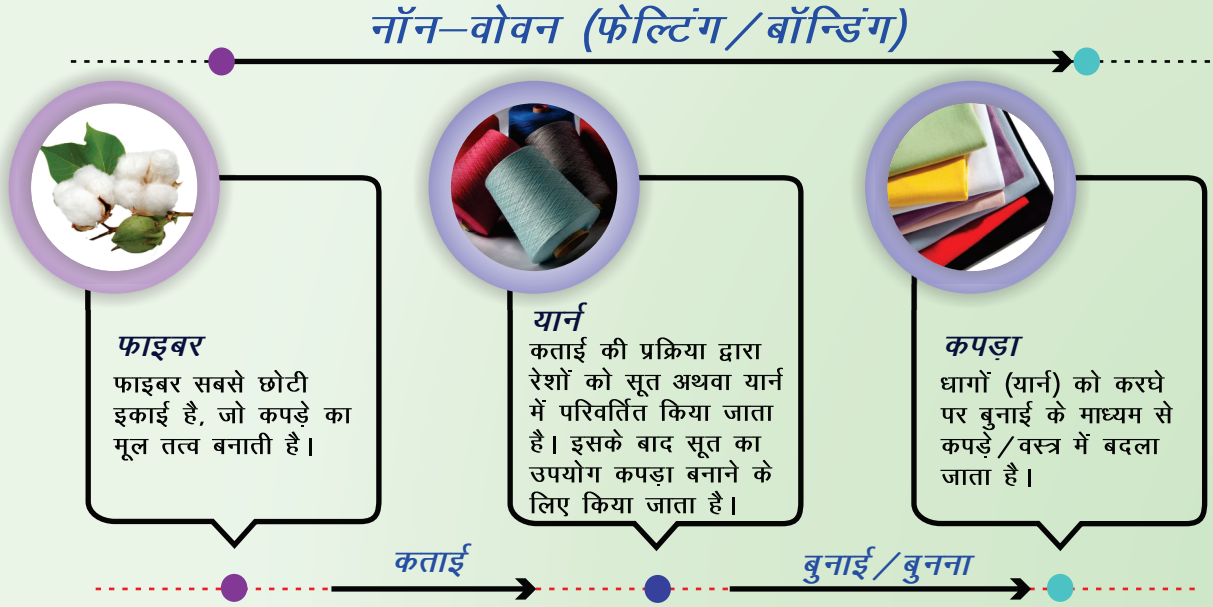

वस्त्र/परिधान उत्पाद विकास योजना के चरणों से होकर गुजरता है और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण के साथ निष्पादन होता है।

- नियोजन में डिजाइनिंग, लक्ष्य ग्राहक की पहचान, लागत अनुमान आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
- निष्पादन में काटना, सिलाई, फिनिशिंग, पैकिंग आदि शामिल हैं।
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- उत्पादों में परिधान, मेड–अप, होम फर्निशिंग और सामान शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

टॅक्सटाइल व अपैरल उद्योग भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार का माध्यम है। भारत न केवल कपास, जूट व सिल्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है बल्कि इस उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार देने की भी क्षमता है। इन उद्योगों में लगने वाले मैन पावर की ट्रेनिंग एएमएचएफ सेक्टर के विभिन्न जॉब रोल्स के माध्यम से की जाती है।

उपर्युक्त चित्र भारत के विकास में एएमएचएफ क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है। एएमएचएफ ने न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दिया है, बल्कि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन में युवाओं के विकास और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

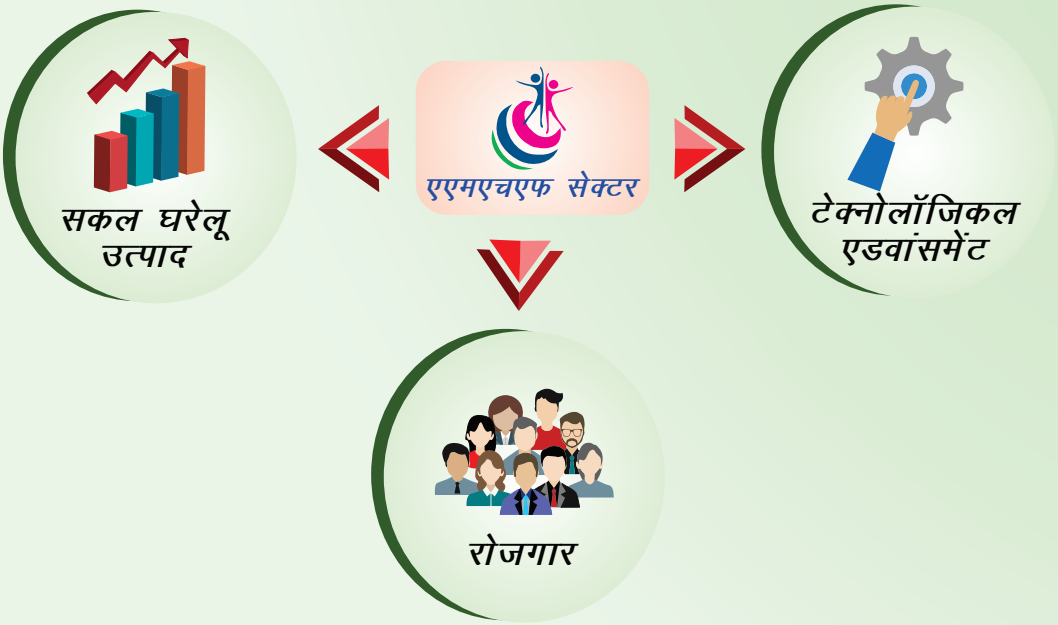

एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

परिधान उद्योग के घटक

एएमएचएफ क्षेत्र को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया जा सकता है:

- फाइबर टू फैब्रिक (कपड़ा उद्योग)
- फैब्रिक टू प्रोडक्ट (परिधान उद्योग)

एएमएचएफ क्षेत्र में कपड़ा उद्योग में फाइबर को धागे या कपड़े (नॉन वोवन) और धागे को कपड़े (वॉवन/निटेड कपड़ा) में बदलना शामिल है। कपड़े को रंगाई, छपाई, कढ़ाई, अलंकरण और परिष्करण तकनीकी का उपयोग करके सुंदर बनाया जाता है।

उपर्युक्त तरीके से कपड़ा बनाने के बाद कपड़ा उद्योग में इस कपड़े से तैयार परिधान, होम फर्निशिंग वस्तुऐं और एसेसरीस आदि बनाए जाते हैं।

एएमएचएफ से जुड़े अन्य उद्योग हैं:

परिधान उद्योग बहुत ही विस्तृत है तथा इसमें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता है। यह एक डिजाइन विचार से शुरू होता है और परिधान तैयार होकर ग्राहक तक पहुंचने पर खत्म होता है। ये प्रक्रियाएं एक परिधान उद्योग के विभिन्न विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। प्रत्येक विभाग एक विशिष्ट कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और सभी विभागों का उद्देश्य उचित लागत और समय के भीतर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। विभिन्न विभाग इस प्रकार हैं–

- मर्चेंडाइजिंग विभाग
- स्टोर विभाग
- कटिंग विभाग
- सिलाई विभाग
- धुलाई विभाग
- परिष्करण और पैकिंग विभाग
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- रखरखाव विभाग
- वित्त और लेखा विभाग
- प्रशासन विभाग

जॉब रोल के बारे में

अपैरल मेड–अप्स होम फर्निशिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब रोल हैं जिन्हें कोई भी अपने पेशे के रूप में चुन सकता है और अपने कौशल को बढ़ा सकता है। यह क्षेत्र उभरते उम्मीदवारों को नौकरी के कई अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें परिधान उद्योग से संबंधित सभी नौकरियां जैसे पैटर्न मास्टर, स्व–नियोजित दर्जी, हाथ कढ़ाई आदि और स्व–स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय जैसे कढ़ाई इकाई, बुटीक, डिजाइन स्टूडियो आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा एपेरल, मेड–अप और होम फर्निशिंग सेक्टर के तहत जॉब रोल निम्नानुसार हैं:

01	फेब्रिक चेकर
02	इन-लाइन चेकर
03	लेयरमैन
04	माप परीक्षक
05	प्रेसमैन
06	सिलाई मशीन ऑपरेटर
07	कढ़ाई मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन)
08	निर्यात सहायक
09	फ्रेमर- कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन
10	गारमेंट कटर (सीएएम)
11	हाथ की कढ़ाई
12	गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता
13	नमूना करण दर्जी
14	एडवांस पैटर्न मेकर (सीएडी/सीएएम)
15	फेशन डिजाइनर
16	क्यूसी कार्यकारी- सिलाई लाइन
17	मर्चेंडाइजर
18	मशीन रखरखाव मैकेनिक (सिलाई मशीन)
19	निर्यात कार्यकारी
20	निर्यात प्रबंधक
21	सैंपल कोऑर्डिनेटर
22	औद्योगिक अभियंता (आईई) कार्यकारी
23	उत्पादन पर्यवेक्षक सिलाई
24	फैक्टरी अनुपालन लेखा परीक्षक
25	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर
26	सहायक डिजाइनर- होम फर्निशिंग
27	सहायक डिजाइनर- मेडअप्स
28	सहायक फैशन डिजाइनर
29	बुटीक प्रबंधक
30	कटिंग सुपरवाइजर
31	फेब्रिक कटर-(परिधान निर्मित अप और होम फर्निशिंग)
32	फिनिशर
33	हाथ की कढ़ाई (अड्डावाला)
34	लाइन पर्यवेक्षक सिलाई
35	मर्चेंडाइजर-मेड-अप और होम फर्निशिंग
36	ऑनलाइन नमूना डिजाइनर
37	पैकर
38	पैटर्न मास्टर
39	प्रसंस्करण पर्यवेक्षक (रंगाई और मुद्रण)
40	रिकॉर्ड कीपर
41	स्व-नियोजित दर्जी
42	सिलाई मशीन ऑपरेटर (बुना हुआ)
43	सोर्सिंग मैनेजर
44	स्टोर कीपर
45	वाशिंग मशीन ऑपरेटर

ए.एम.एच.एफ. सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक हैं स्टोर कीपर। स्टोर कीपर सामान की रसीद प्राप्ति, रखरखाव, भंडारण तथा संरक्षण का ध्यान रखता है, ताकि वह मात्रा, गुणवत्ता और जगह का पता लगा सके। वह विभिन्न सामग्री प्रबंधन संचालन की देखभाल जैसे माल प्राप्त करना, संगठन में गुणवत्ता नियंत्रण, प्रयोगशाला से गुणवत्ता अनुमोदन प्राप्त करना, उत्पादों को वितरिक करना, आवश्यक स्टॉक सूची बनाना, उचित और व्यवस्थित रूप से आवश्यक जानकारी प्रदान करना ही उसकी विशेष जिम्मेदारियां होती है। इसकी कार्य भूमिका लॉजिस्टिक्स और वितरण, विपणन, खरीद और खरीद के प्रबंधन से संबंधित हैं।

स्टोर कीपर की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां:

1. सीधे कच्चे माल के रूप में या प्रक्रिया में उपभोग किए जाने वाले विभिन्न कच्चे माल को प्राप्त करना, निरीक्षण करना, व्यवस्थित करना, सुरक्षित करना, जारी करना और सूची बनाए रखना।
2. स्टोर कीपिंग प्रक्रियाओं, व्यावसायिक कौशल विशेष रूप से लेखांकन प्रक्रियाओं, रिकॉर्ड कीपिंग टूल्स और सैंपलिंग के साथ व्यवस्थित होना।

कक्षा–11वीं

इकाई 1

सामग्री के भंडारण और लेखांकन का परिचय

किसी भी परिधान कारखाने के लिए भंडार विभाग बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि परिधान निर्माण के लिए आवश्यक कच्चा माल जैसे कि कपड़े, धागे, बटन, ट्रिम्स, लेबल, पैंकिग सामग्री यहाँ संग्रहीत जाती है। इस इकाई में, छात्र स्टोर कीपर की जिम्मेदारियों, सामग्री के निरीक्षण और विभिन्न पैकेजिंग प्रतीकों की पहचान के बारे में जानेंगे। यह इकाई कच्चे माल को जारी करने और ईमेल और मेमो को स्पष्ट रूप से लिखने के बारे में भी चर्चा करती है।

इकाई 2

स्टोर आइटम का संगठन/व्यवस्था

यह इकाई स्टोर के लिए सही ढंग से कच्चे माल को व्यवस्थित करने के बारे में विस्तार में चर्चा करती हैं। इस इकाई में विभिन्न अलमारियों, बक्सों और रैकों के उचित उपयोग पर भी महत्व दिया गया है। एक स्वच्छ और सुव्यवस्थित स्टोर को बनाए रखने के लिए समय–समय पर रिकॉर्ड और स्टॉक की जांच के महत्व के बारे में भी इस इकाई में छात्र सीखेंगे।

इकाई 3

प्रक्रियाओं के अनुरूप साक्ष्य रूप में रिकॉर्ड बनाए रखना

इस इकाई में, छात्र सीखेंगें कि स्टोर में उपलब्ध सामग्री का रिकॉर्ड कैसे रखा जाता है। आने वाली सामग्री, उनकी मात्रा और प्रत्येक वस्तु के सामने अन्य जानकारी दर्ज करने के लिए एक उपकरण की आवश्यकता होती है। इसलिए, वे एक्सेल शीट जैसे एप्लिकेशन का उपयोग करना सीखते हैं। इस प्रकार छात्र रिकार्ड बनाना सीखते हैं, जिससे विक्रेता और सामग्री से जुड़ी जानकारी गुणवत्ता प्रबंधन में सहायक होती है।

इकाई 4

स्वच्छ और जोखिम/खतरा मुक्त कार्यक्षेत्र

इस इकाई में स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्य क्षेत्र बनाए रखने के बारे में बात करती है, जो व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वस्थ्य के महत्व के साथ अपशिष्ट पदार्थों के सही प्रबंधन तथा सही भंडारण पर महत्व के बारे में बताती है।

इकाई 5

कार्यस्थल पर लागू स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी व्यवहार

इस इकाई में कार्यस्थल पर संभावित खतरों और सुरक्षा उपायों के बारे में चर्चा की गई हैं। छात्र उपकरणों के सुरक्षित संचालन, स्वस्थ जीवन शैली के लाभों और पर्यावरण प्रबंधन प्रक्रियाओं के बारे में सीखते हैं।

इकाई 6 कानूनी, नियामक और नैतिक आवश्यकताओं का पालनः

इस इकाई में छात्र नैतिकता और मूल्यों के महत्व के बारे में सीखते है। कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं, टीमवर्क और पर्यवेक्षक समर्थन का भी वर्णन किया गया है।

कक्षा–12वीं

इकाई–1 निर्देशानुसार सामग्रियों का निरीक्षण तथा स्टॉक अपडेट का रखरखाव

यहाँ छात्र स्टोर विभाग में उत्पादों का निरीक्षण, अस्वीकृत और क्षतिग्रस्त सामग्री का प्रबंधन, क्षतिग्रसत सामग्री को लौटाना, कम्प्यूटर और गणना का ज्ञान, मौखिक संचार और निर्णय लेने के बारे में सीखेंगे। यह विभाग किसी भी परिधान उत्पादन श्रृंखला में सबसे महत्वपूर्ण और जिम्मेदार विभागों में से एक है। यदि स्टोर इन्वेंट्री विश्लेषण सटीक है, तो परिधान उत्पादन की अन्य प्रक्रियाएँ सुचारू रूप से की जा सकती है।

इकाई–2 स्टोर परिसर और स्टोर की वस्तुओं की देखभाल का प्रबंधन करना

इस इकाई में छात्र स्टोर की देखभाल, भंडारण सामग्री की उचित उपलब्धता, रंगों और रसायनों की मापदंडों के अनुसार व्यवस्था करना सीखेंगे। छात्र भंडारण वस्तुओं के रखरखाव और सामग्री की आवधिक स्टॉक जाँच के बारे में भी जानेंगें। जोखिम और खतरों से बचने के लिए स्टोर को महत्व देने और पेशेवर रूप से प्रबंधित किया जाना चाहिए। खराब इन्वेंट्री प्रबंधन भी लाभप्रदता को प्रभावित करता है।

इकाई–3 भंडार वस्तुओं के लेखांकन, भंडारण और संरक्षण से संबंधित रिकॉर्ड बनाए रखना

यह इकाई छात्रों को यह सीखने में मदद करती है, कि भंडारण की वस्तुओं से संबंधित रिकॉर्ड कैसे बनाए रखें। यह इकाई अंतरविभागीय संचार के अभिलेखों के रखरखाव पर जोर देती है।

इकाई–4 स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्य क्षेत्र बनाए रखें

यहां छात्र एक स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्यस्थल के महत्व और प्रासंगिकता के बारे में जानेंगे। वे कर्मचारियों और आगंतुकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के बारे में भी जानेंगे। दुर्घटनावश गिरने से रोकने के लिए साफ सतहों, उपयुक्त जूते और चलने की उचित गति के महत्व व उनकी सुनिश्चितता के बारे में भी जानेंगे। सीढ़ियों और गलियारों की सफाई, सूखापन और दुर्घटनाओं को कम करने और एक सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के बारे में भी इस इकाई में चर्चा की जाएगी।

इकाई–5 कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा

इस इकाई में छात्र स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा के कार्यस्थल पर महत्व के बारे में जानेंगे। कर्मचारियों के बारे में जानेंगे। वे सुरक्षा से संबंधित जोखिम व आपात स्थितियों के बारे में भी पढ़ेंगे। छात्र इस इकाई में मशीन व उपकरणों में आने वाली खराबियों को समझने व उसकी रिपेरिंग के बारे में भी जानेंगे। इसके अलावा आपात स्थितियों की ठीक तरह सूचना प्रदान करने के बारे में भी जानेंगे।

इकाई–6 उद्योग और संगठनात्मक आवश्यकताएं

इस इकाई में छात्र संस्थागत नियमों, अनुपालनों व उनमें लगने वाले विभिन्न दस्तावेजों के बारे में पढ़ेंगे। वे ग्राहकों से संबंधित नियमों व इनकी जरूरतों के बारे में भी पढ़ेंगे। नैतिकी बाध्यताएं व उनसे संबंधित दस्तावेज साथ ही साथ इन नियमों से विचलन के बारे में भी जानेंगे।

रोजगार के अवसर

विभिन्न क्षेत्रों में कोर्स पूरा करने के बाद रोजगार की संभावनाएं:

स्व–रोजगार

- दुकान का मालिक

वेतनिक रोजगार

1. सरकारी या गैर सरकारी उद्योग का स्टोर कीपर
2. एक्सपोर्ट हाउस में स्टोर कीपर
3. बुटीक में स्टोर कीपर
4. डिजाइन हाउस–परिधान और फर्निशिंग में स्टोर कीपर

स्टोर कीपर के पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद निम्नलिखित कार्य भूमिकाओं में रोजगार विकास के अवसरः

- सहायक स्टोर कीपर
- स्टोर कीपर
- स्टोर एग्जीक्यूटिव
- स्टोर इनचार्ज
- रिटेल स्टोर मैनेजर
- लोजिस्टिक्स इनचार्ज
- वेयरहाउस इनचार्ज

ऑन जॉब प्रशिक्षण

- संबंधित उद्योग जैसे एक्सपोर्ट, बाइंग, डिजाइन हाउस आदि में इंटर्नशिप
- सरकारी और निजी प्रशिक्षण केन्द्र

PSSCIVE के बारे में

पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in